



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 194]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 6, 1986/भाद्र 15, 1908

No. 194] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 6, 1986/BHADRA 15, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation**

फारमिल और प्रशिक्षण विभाग

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1986

नियम

सं. 6/3/96 के भं. (1) :—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियों को
भरने के प्रयोग के लिए, वर्ष 1987 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा
सहायक ग्रेड परीक्षा 1986 के लिए ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा
के नियम आप अंतकारी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं :—

- (1) भारतीय विदेश सेवा (ब) के सामान्य संवर्ग का ग्रेड-4
(सहायक);
- (2) रेलवे वोर्ड सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड;
- (3) केन्द्रीय सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड;
- (4) सशर्त सेवा मुद्यालय नियिल नेता का सहायक ग्रेड; और
- (5) भारत सरकार में धार्य विभागों/संगठनों और सम्बद्ध कार्यालयों में
सहायकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ब) रेलवे वोर्ड
सचिवालय सेवा/केन्द्रीय सचिवालय सेवा/सशर्त सेवा मुद्यालय
नियिल सेवा में सम्मिलित नहीं हैं।

1. कोई भी उम्मीदवार उपर वी किसी एक या अधिक सेवाओं/
पदों के लिए प्रतियोगिता में सम्मिलित हो सकता है।

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भी जाने वाली रिक्तियों की
संख्या आयोग द्वारा जारी नोटिस में बताई जाएगी। इन्द्रनुसूचित जातियों
तथा इन्द्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए पद सरकार द्वारा नियिल
रिक्तियों को देखने हुए आरक्षित रखे जायेंगे।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिणाम-1
में निर्धारित ढंग से सी जायेगी।

परीक्षा की तारीख और रथान आयोग द्वारा निर्धारित किये जाएंगे।

4. उम्मीदवार को या तो—

(क) भारत का नागरिक होना चाहिए या वह

(ख) नेपाल की प्रजा; या

(ग) भूटान की प्रजा; या

(घ) ऐसा लिंगली भारणी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की
इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो; या

(ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की
इच्छा से पाकिस्तान, नपर, श्रीलंका और कीनिया, उर्गांडा तथा

तंजानिया संगठन गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीवार) के पूर्वी प्रशासक के देशों में या जापानिया, मलाई, जैरे और इथियोपिया और विषयनाम में आया हो।

परम्परा (क्र.), (ग), (घ) और (इ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रना (एनिजीबिनिटी) प्रमाण-पत्र होता चाहिए।

परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी, जिनके लिये पात्रना प्रमाण-पत्र प्राप्त कर हो, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है परम्परा उसे नियुक्त प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिये जाने पर ही दिया जायेगा।

5. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का न हो, उसे नीत ब्राह्मण से अधिक की अनुमति नहीं दी जायेगी। यह प्रतिवर्ष वर्ष 1962 की परीक्षा के समय से लागू है।

टिप्पणी :- 1. यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक सेवाओं/पदों के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा हो तो इस नियम के प्रयोगन के लिए भानु लिया जायेगा कि वह उस परीक्षा के अन्तर्गत आने वाली सब सेवाओं/पदों के लिए एक प्रयास कर चुका है।

टिप्पणी :- 2. यदि कोई उम्मीदवार वस्तुतः एक या अधिक विषयों में बैठा हो तो यह भानु लिया जायेगा कि वह परीक्षा के लिए एक प्रयास कर चुका है।

टिप्पणी :- 3. उम्मीदवार के परीक्षा में उपस्थित होने को उसके द्वारा लिया गया एक अवधारणा जिना जायेगा जाहे वह परीक्षा हेतु अद्योग्य ठहरा दिया जाये। उसकी उम्मीदवारी एह कर दी जाएगी।

6. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए यह आवश्यक है कि 1 जनवरी, 1936 को उम्मीदवार की आयु पूरे 20 साल की हो जुही हो किन्तु पूरे 25 वर्ष की आयु न हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1961 से पूर्व तथा 1 जनवरी, 1966 के बाद न हुआ हो।

(ख) भारत सरकार के विधिन विभागों/कार्यालयों तथा साथ में संघ राज्य सेवकों के प्रशासकों के अधीन विभागों/कार्यालयों या चुनाव आयोग और केन्द्रीय सत्रकंता आयोग के कार्यालयों या संकाय सभा/राज्य सभा निवासस्थ में कम से कम 3 वर्ष की विवादात्मक तथा नियमित सेवा पहली जनवरी 1966 तक कर देने वाले गोपर डिवीजन फ्लॉर्म्स/प्रपर डिवीजन वल्कोंस्टेनोमार्करों, ड्रेड घ के मामले में 30 वर्ष की आयु तक होना दी जा सकती है।

ऐसे पदों पर कार्यकर रहे उम्मीदवार जिनका पदनाम लोडर डिवीजन कलर्क/अपर डिवीजन कलर्क/स्टेनोग्राफर, सेड घ नहीं है, वह उपनियम के अन्तर्गत आयु में छूट पाने के पाव नहीं होगे भगे ही उनके द्वारा धारित पद गमन वेतनमान के होने की जा सकती है।

(ग) ऊपर बनाई गई अधिकारियां आय-सीमा में निम्नलिखित मामलों में और कीमत दी जा सकती हैं—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो, तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पाकिस्तान (इब्र बंगलादेश) का वास्तविक विष्यापिन व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(3) यदि उम्मीदवार, किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पाकिस्तान (इब्र बंगलादेश) का वास्तविक विष्यापिन व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(4) यदि उम्मीदवार शीलका से वास्तविक प्रत्यावर्तित भानु या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और इस्तुवर, 1964 के भारत शीलका समझोने के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो या करने वाला हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(5) यदि उम्मीदवार इनसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो शीलका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा इस्तुवर, 1964 के भारत शीलका समझोने के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो या करने वाला हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(6) यदि उम्मीदवार वर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(7) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित भादिम जाति का हो और वर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(8) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कनिया, उगांडा, तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व तंगानिका और जंजीवार) से प्रव्रजन किया हो, या जापानिया, मलाई, जैरे और इथियोपिया से भारत मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(9) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और भारत सरकार से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व तंगानिका और जंजीवार) से प्रव्रजन किया हो या जापानिया, मलाई, जैरे और इथियोपिया से भारत मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(10) किसी दूसरे देश के साथ संबंध में या किसी अंतर्राष्ट्रीय सेवा में कोजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के काम्पवर्षप सेवा में निर्मुक्त किये गये ऐसे रक्षा कामिकों के अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(11) किसी दूसरे देश के साथ संबंध में या किसी अंतर्राष्ट्रीय सेवा में कोजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के काम्पवर्षप सेवा में निर्मुक्त किये गये ऐसे रक्षा कामिकों के लिए जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(12) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भूलक भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसे उम्मीदवार जिसके पास विषयनाम से भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपान प्रमाण-पत्र हो और जो विषयनाम से जुलाई 73 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(13) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और विषयनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा ही उम्मीदवार जिसके पास विषयनाम से भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपान प्रमाण-पत्र हो और जो विषयनाम से जुलाई 73 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/प्रलक्षकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1986 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बख़्ति न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्ति पर कार्यमुक्त हुए हैं। इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी 1986 को छः महीनों के अंतर पूरा होता है या (ii) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपेक्षा या (iii) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

(15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/प्रलक्षकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1986 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बख़्ति न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्ति पर कार्यमुक्त हुए हैं। इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1986 को छः महीनों के अंतर पूरा होता है या (ii) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपेक्षा या (iii) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा यो अनुसूचित जनजातियों के लिए उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक।

(16) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/प्रलक्षकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामले में अधिकतम 5 वर्ष, जिन्होंने 1-1-1986 को सैनिक सेवा के 5 वर्षों की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और उनके बाद सैनिक सेवा में रखे जाने हैं तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रभागात्मक जारी करना होता है कि वे नियमित रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और मिलिट्री रोजगार प्राप्त करते हैं तो उनके मामले में अधिकतम 5 वर्ष तक।

(17) अनुचित जाति अधिकार अनुसूचित जनजाति के लिए आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/प्रलक्षकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामले में अधिकतम 10 वर्ष जिन्होंने 1-1-1986 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और उनके बाद सैनिक सेवा में रखे जाने हैं तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रभागात्मक जारी करना होता है कि वे नियमित रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और मिलिट्री रोजगार प्राप्त करते हैं तो उनके मामले में अधिकतम 10 वर्ष तक।

(18) यदि कोई उम्मीदवार तस्कारीन परिस्थिती पार्किस्तान में आत्मविक्रिया विस्थापित अवक्षित है और पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रदूषन कर भारत आया है तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(19) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का है और तस्कारीन परिस्थिती पार्किस्तान से वास्तविक विस्थापित अवक्षित है और पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रदूषन कर भारत आया है तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(20) यदि कोई उम्मीदवार 1 जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1986 तक सामान्यतः असम राज्य में रहा है तो उनके लिए अधिक से अधिक 6 वर्ष तक।

(21) वे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति अधिकार अनुसूचित जनजाति के हैं और 1 जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1986 तक सामान्यतः असम राज्य में रहे हैं, उनके लिए अधिक से अधिक 11 वर्ष तक।

टिप्पणी.—(1) भूतपूर्व सैनिक और भूतपूर्व सैनिकों का पुनर्नियोजन के लिए यी नोट वाला अधिकारी प्राप्त करके पहले से ही नियमित क्षेत्र में स्थानांतरण में कार्रवात है वे नियमाकालों के नियम 6 (ग) (14) और (15) के के अंतर्गत अविवेक करते के पावत नहीं हैं।

अपर की भौतिक अवस्था को आइकर नियांहित अनुसूचित में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

टिप्पणी.—जिन उम्मीदवारों के नियम 6 (ब) के अंतर्गत परीक्षा में प्रवेश न दिया हो उन्होंने उम्मीदवारों द्वारा कर दी जाएँगी यदि आवेदन-पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा में पढ़ने या पारीक्षा योग्यता के बाद सेवा में व्यापार देने वाला है या विभाग द्वारा उन्होंने सेवाएँ गमाल कर दी जाती हैं किन्तु आवेदन-पत्र भेजने समर्थ यदि उनकी सेवा या पद में छंटना हो जाता है तो वह पावत नहीं दिया जाएगा।

जो लोगों द्वितीय कक्ष/प्रथम डिप्लोमाइट, कलर्फैस्ट/स्टेटोफैस्ट, प्रेट घ नक्षम, प्राधिकारी का अनुमोदन लेकर किसी संकर्ता वाल्य पद पर प्रतिनिवृत्ति है या जिनका किसी अन्य पद पर अनांतरण हो जाता है किन्तु जिन पर यह पर से स्थानांतरण हुआ है उस पर उन्होंने विषय बना रहा है वह भवित अवधि अनुसूचित जनजातियों के पावत सेवा में प्रवेश का पावत दिया जाएगा।

7. उम्मीदवार के पास भारत के केन्द्र या राज्य विवाद सभा में उन द्वारा नियांहित किसी विवरियालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1985 के अध्य 3 के अंतर्गत विवरियालय के द्वा में मर्दों वाली किसी अन्य गिरावट स्थापित की जिसी हूंतों आहिए।

टिप्पणी: 1. ऐसी व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएँ जो सरकार द्वारा भाल्याना प्राप्त व्यावसायिक और तकनीकी उपकरण के भवक्षण हो रखते योंने उम्मीदवार इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पावत हांगे।

टिप्पणी: 2. कोई भी उम्मीदवार जिनके ऐसी कोई परीक्षा दे रहा है जिसके पास करते हैं गर अपारोग की परीक्षा के सिए अधिकारी रूप में पावत होता परन्तु उसे परीक्षा कर की मूलता नहीं मिली है तो ऐसा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अर्थक परीक्षा में बैठो का इच्छक है योग्यता की परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर का पावत नहीं होगा।

टिप्पणी: 3. नियम परिवर्धितियों में संघ सौन्दर्य सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने के पावत मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्थत्यों में से कोई अर्थत्या नहीं है ऐसा परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्वर आयोग के इनामानार ऐसा हो कि उनके आधार पर अमीदवार को उन परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नोकरी में रक्षारी या अन्यारी काम में काम कर रहे हों, ताहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप में नियुक्त भी नहीं हैं पर अकेलिया या दैतिक दर पर नियुक्त न हों ही या वे जो लोह उद्योगों के अधीन कार्यरत हैं उन सब को इस अवधि का परिचयन (अग्नदर्शकीय) देना होता है कि उन्होंने आयोग के अधिकारों को दिया जा सकता है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग का उनके विवाद से उनके उत्तर परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने गंभीर अनुसूचित रोकने हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन अवधि अप्योग्य हो दिया जायेगा उनकी उम्मीदवारी सुन कर दी जायेगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार को पावत या अपारोग के लिए आयोग का नियंत्रण अनियंत्रण होगा।

10. किसी उम्मीदवार की परीक्षा में तथ नक्ष नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक कि उनके पास आयोग को प्रवेश प्रमाणान्तर (सटीकिले अधिकार एडमीशन) नहीं हो।

11. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस के पैरा 5 में निर्धारित फीस देनी होगी।

12. जिव उम्मीदवार ने—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा ।
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं, जिनमें तस्वीरों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे अक्षरात्मक विवेदों हैं या किसी महत्वपूर्ण तर्क को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अवचालन उपायों का उद्घारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साक्षातों का प्रयोग किया हो, या
- (8) उत्तर पुस्तिकालों पर असंगत बातें लिखी हों, जो असली जावा में अधिक अस्तिय की हो, या
- (9) परीक्षा अवधि में और किसी प्रकार का उत्तरवाहार किया हो,
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या उन्हें अन्य प्रकार की शारीरिक शक्ति प्रदूषित हो,
- (11) उम्मीदवार को परीक्षा देने की अनुमति देने तुए त्रेपित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो,
- (12) उपर्युक्त बाणों में उल्लिखित सभी अवश्य किसी भी कार्य को करने का प्रावास किया हो या करने के लिए अधिकारित किया दूँ तो उस पर आवाराविक अभियोग (अधिकारी प्रासीकृतान) चलाया जाए सकता है और उनके साथ ही उसे—
 - (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका बहु उम्मीदवार है, बैठने के लिए अप्रयोग ठहराया जा सकता है, अथवा
 - (ख) उसे असाधारण रूप से अवश्य एक विशेष अवधि के लिए—
 - (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा अवधि अवधि के लिए,
 - (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से बाहरित किया जा सकता है, और
 - (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यशाली की जा सकती है :

किन्तु यह है कि इस नियम के अधीन कोई आस्ति तब तक नहीं ही आयेगी जब तक—

- (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में सिद्धित, अभ्यावेदन जो बहु देना चाहे अस्तु करने का प्रसरण न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुशंश समय में प्रस्तुत अध्यावेदन पर यदि कोई है विवाह न कर दिया गया हो ।

13. परीक्षा के बाद आयोग द्वारा एक उम्मीदवार का अन्तिम रूप दें विए जाए कुल प्राप्तिकांकों के आधार पर उनमें गोपयता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनायेगा और इस परीक्षा का परिणाम तिकात्रने पर जितनी अनारोक्षता जाली जाहां पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उनके ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता कम के अनुग्राह नियुक्त करने के लिए अनुरूपाना की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में बोग्य मारे गये हों :

परंतु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित अविधियों और अनुसूचित अवधियों के लिए आरामदात अविधियों की संख्या तथा अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरामदात कीटा में कमी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, जाहे परीक्षा के योग्यता-कम में उनका कोई भी स्थान हो नियुक्त के लिए अनुग्रहित किए जा सकेंगे, बल्कि कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर नियुक्त के लिए उपयुक्त हों ।

14. प्रयोक्त उम्मीदवार को परीक्षाकल की सूचना किस रूप में किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाकल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा ।

15. नियमों की अन्य अवधियों के अधिकारी परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त करते समय उम्मीदवार द्वारा विस्तृत आवेदन पत्र में विविध सेवाओं/पदों के लिए बताये गये वरीयता क्रम पर उचित ध्यान दिया जायेगा । यह आवेदन पत्र आयोग द्वारा उसको तभी दिया जायेगा जब यह उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर अन्तिम रूप से प्रकृता प्राप्त घोषित कर दिया जाता है ।

16. नियमितयां द्वारा अर्थ की परिचीना अवधि पर की जाएगी यह आवश्यक समझा गया हो तो परिचीना अवधि छाड़ाई जा सकेगी ।

17. उम्मीदवार को सहायक प्रेड में उनकी नियुक्ति की तारीख से दो अर्थ की अवधि के भीतर कम से कम 30 दिन प्रतिमिट की गति से अप्रेजी टाइपिंग या 25 शब्द प्रति मिनट की गति से फ्रैन्डी टाइपिंग पास करनी होगी यदि वे निर्धारित अवधि के भीतर परीक्षा पास न कर सकते तो वे सहायक प्रेड में आगे बेतन बूढ़ि पाने के तब तक हुक्मदार नहीं होंगे जब तक कि वे उक्त परीक्षा पास न कर लें या उन्हें किसी विषेष या सामान्य सादेश के अधीन ऐसी परीक्षा पास करने की आवश्यकता से छूट न दी जाये और परीक्षा पास कर लेने पर या उससे छूट मिल जाने पर उनका बेतनमान कर दिया से इस प्रकार नियत किया जायेगा कि उनकी बेतन बूढ़ि रोकी ही नहीं गयी थी परन्तु जितनी अवधि के लिए बेतन बूढ़ि रोकी ही नहीं उस अवधि का बताया बेतन उन्हें नहीं दिया जायेगा ।

18. जिन अवधियों ने—

- (क) ऐसे अवधियों से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के रहने हुए किसी से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए आवश्यक नहीं माना जायेगा परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से मन्तुष्ट हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे अवधि तथा विवाह सुव्र के हूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैवितक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अस्ति कारण भी है तो वह किसी भी अवधि को इस नियम से छूट दे सकती है ।

19. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा/पद के अधिकारी के द्वारा में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक नियमने में बाधक हो । यदि यसका संविधानी द्वारा विहित आवधीरी परीक्षा के बाब जिसी उम्मीदवार के बारे में यह जाल दुश्मा कि वह इस जगती को पूरा नहीं कर सकता है तो उसी नियुक्ति मही की जायेगी । केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जायेगी जिनकी नियुक्ति के सम्बन्ध में विचार किये जाये की संभावना है ।

20. परीक्षा में पास हो जाने से ही नियुक्ति का अधिकार गहीं विल जाना इसके लिए आवश्यक है कि मरकार आवश्यकतानुमार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्वोन्नति की दृष्टि से इस मेंवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

21. भारतीय विदेश तेवा (ब) ऐतदे बोड नियमान्वय लेना, हेत्त्रीव सचिवान्वय सेवा और समस्त लेना सुधारात्र तिवित लेना ये सभी वक्तों के पदों की तेज़ी की शर्तें परिणित-II में संस्थित में दी गयी हैं।

पी. सी. कपूर, ग्रन्वर तिवित

परिणित-II

परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्यक्ष विषय के पूर्णक इस प्रकार होंगे—

क्र. सं.	विषय	कोड सं.	पूर्णक	दिया गया समय
1	2	3	4	5
1.	विवरण	01	100	2 घण्टे
2.	अंग्रेजी—जो भागों में			
I और II		200	3 घण्टे	
भाग-I		02	70	1 घण्टा
भाग-II		03	130	2 घण्टे
3.	अंकगणित	04	100	2 घण्टे
4.	सामान्य ज्ञान जिसपर भारत का भूगोल भी सम्मिलित है	05	100	2 घण्टे

विषेष व्यायाम :—यदि कोई उम्मीदवार अंग्रेजी प्रश्नपत्र के ज्ञानमें में अनुमति समय सीमा में परीक्षा भवत में नहीं पहुँचता है और उसे भाग-II परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता है तो वह उक्त प्रश्न पर ही भाग-II परीक्षा में पैठने का हस्तान नहीं होगा।

2. अंग्रेजी भाग—I अंकगणित और सामान्य ज्ञान जिसमें इति भा भूगोल सम्मिलित है, के प्रश्न पत्रों में वस्तु परक प्रश्न पूछे जायेंगे।

3. परीक्षा का पाठ्यविवरण साथ संक्षेप अनुसूची में दिया है।

4. उम्मीदवार परक पत्र-1 का उत्तर हिन्दी (ऐवांगनी) या फ्रांसीस में दें सकते हैं। निवन्ध, अंकगणित तथा सामान्य ज्ञान जिसमें भारत का भूगोल सम्मिलित है, के प्रश्न पत्र हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं में दैवार किये जायेंगे।

टिप्पणी 1. यह विकल्प पूरे प्रश्न पत्र के लिए होगा उसी प्रश्न पत्र के विभिन्न पत्रों के लिए नहीं।

टिप्पणी 2. प्रश्न पत्र-1 के उत्तर हिन्दी (ऐवांगनी) में दिक्षिण वाले उम्मीदवारों को अपने इस इरादे का उत्तराय अन्वय पत्र के कानून 14 में व्यष्ट रूप से करना चाहिए ताकि यह समझा जावेगा कि वे प्रश्न पत्र-1 का उत्तर जानते ही हैं।

एक बार निया गया विकल्प अंतिम ज्ञान जायेगा और उत्तर कानून में काई परिवर्तन करने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा।

भारत का राष्ट्रवक्ता : अपाधारण

यदि उम्मीदवार प्रश्न-पत्र-1 के उत्तर आदेन पत्र में लिखित माध्यम के अलावा किसी अन्य माध्यम में हिल्ले हैं तो उन उम्मीदवारों के उक्त प्रश्न-पत्र मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

ओ उम्मीदवार विवन्ध के प्रश्न पत्र का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में लिखने का विकल्प दे चुके हैं के अगर जाहे तो हिन्दी की तकनीकी शब्दावली यदि कोई हो, के साथ-साथ अंग्रेजी परिचय भी दे सकते हैं।

5. उम्मीदवारों को सभी उत्तर आदेन हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर दिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग अपनी विद्या पर परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक (व्यालीकालांग) ग्रन्ति निर्धारित कर सकता है।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जायेंगे।

8. खात्र लिखाई के कारण प्रत्येक विषय के पूर्णकों में से 5 प्रतिशत तक अंक काट दिए जाएंगे।

9. निवन्ध तथा अंग्रेजी भाग-II में कम से कम शब्दों में क्रमबद्ध, प्रभावपूर्ण हंग से शारीरीक-शारीरीक की गयी भावाभिव्यक्ति को विशेष श्रेय दिया जाएगा।

10. प्रश्न पत्र, जहां आवश्यक हों, तौलों और भाषाओं की मोट्रिक प्रगती से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जायेंगे।

11. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर लिखने समय भारतीय ज्ञानों के अन्तर्राष्ट्रीय कृपा (अश्री 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

12. उम्मीदवार वरतुपरक प्रदल दलों (प्रश्न पुस्तकों) का उत्तर देने के लिए फैलकुटोटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अन्तः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लायें।

अनुमति

परीक्षा की पाठ्यक्रमी

(1) निवन्ध कोड सं. (1) —दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर निवन्ध लिखना होगा।

(2) अंग्रेजी

अंग्रेजी भाग—I कोड सं. (2) :—प्रश्न पत्र इस प्रकार का होगा जिसमें उम्मीदवारों के अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा इस भाषा में सही तथा प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति की सामर्थ्य का पता चल सके।

अंग्रेजी भाग-II कोड सं. (04) :—प्रश्न पत्र में इस प्रकार के प्रश्न होंगे जिनमें 2-मादवारों की अच्छी अंग्रेजी लेखन तथा सार लेखन की सम्भवत हो। चल सके।

(3) अंकगणित (कोड सं. 04) :—संख्याओं, शारीरों, प्रारम्भिक सांखिक, तथा अंकगणित के ज्ञान पर अधिक चल दिया जाएगा।

(4) सामान्य ज्ञान :—जिनमें भारत का भूगोल भी जापिल है (कोड सं. 05) सामाजिक घटनाओं का ज्ञान जो कुछ हम प्रतिदिन देखने ही है और अभवत करते हैं उनके वैज्ञानिक पश्चों का ज्ञान जो एक साधारण फड़ाली आदेन, की हाना चाहिए, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष राजनीति न किया हो। इस प्रश्न पत्र में भारतीय भूगोल भास्तवी प्रश्न पूछे जाएंगे इस प्रश्नपत्र में भारतीय इकाऊज से संबंधित तो वे प्रश्न भी पूछे जाएंगे। इन क्षमा : इन उम्मीदवार दिना किसी विषय अध्ययन के ही देसकते हैं।

परिशिष्ट-II

उन मैत्राओं/यों से सम्बद्धित विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के द्वारा भर्ती की जा रही है :—

(1) भारतीय विदेश सेवा (ब्र) :—

विदेश मंत्रालय में और विदेश स्थित भारतीय राजनयिक कोर्सर नियमों व केन्द्रों में महायोंकों के सभी पद तथा काण्डिय मंत्रालय में महायोंकों के कुछ गढ़ भारतीय विदेश सेवा (ब्र) के सामान्य संवर्ग के ग्रेड-4 में मन्मिलित है ग्रेड-4 के नीचे के ग्रेडों को छोड़कर भारतीय विदेश सेवा (ब्र) के सामान्य संवर्ग के विभिन्न ग्रेड निम्नलिखित हैं :—

ग्रेड	पदनाम	वेतनमात्र
ग्रेड-I	मुख्यालयों में अध्यवसाय सचिव विदेश स्पेशल नियमों और केन्द्रों पर प्रथम और द्वितीय सचिव	रु. 1200-50-1600 5555 5555 5555
मन्मिलित	मुख्यालयों में सहायारी	रु. 650-30-740-35-
ग्रेड-II	(अन्य) और अनुभाग अधिकारी	810-द.रो.-35-880
और III	विदेश स्थित नियमों और केन्द्रों में उप काम्युन और रेजिस्ट्रार	40-1000-द.रो.-40 1200
ग्रेड-IV	मुख्यालयों में भाग विदेश स्थित नियमों और केन्द्रों पर महा यक	रु. 425-15-500-द.रो.-15-560-20-700-द.रो.-25-800

टिप्पणी—मन्मिलित ग्रेड-II और III में पदोन्नत सहायकों को कम से कम 710/- रुपए मानिक धेन दिया जाता है।

2. भारतीय विदेश भेवा (ब्र) के सामान्य संवर्ग के ग्रेड-4 में सोंचे भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो अर्थ तक परिवर्त्तिकारीत रखा जाएगा। इस दौरान उन्हें ऐसे प्रशिक्षण किए जाएंगे और ऐसी परीक्षाएं पास करनी होंगी जो सरकार द्वारा नियोंगित की जायें हों। प्रशिक्षण के दौरान संतोषजनक प्रगति से करने अवश्यक परीक्षाएं पास न करने पर परिवर्त्तिकारी व्यक्ति को नौकरी से निकाला जा सकता है।

3. अविवेकी अवधि भवाल होने पर सरकार परिवर्त्तिकारी व्यक्ति को उसको नियुक्त पर रखायी और सकती है या यदि सरकार की राय में उसका काय या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे भेवा भुक्त कर सकती है या उसको परिवर्त्तिकारी अवधि की जितना उचित समझे बड़ा सपत्नी है।

4. भारतीय विदेश सेवा (ब्र) में नियुक्त किए गए व्यक्तियों का केन्द्रीय सचिवालय सेवा और अन्य किसी सेवा संवर्ग में शामिल पदों पर नियुक्ति का कोई अधिकार नहीं होगा। इसके अतिरिक्त ऐसे सभी व्यक्ति जो नाम भारत में अध्यवसाय विदेश में किसी विदेश सेवा (ब्र) पर नियुक्त किए जाएं सेवा करने का बाब्द होगे।

5. विदेशों में सेवा के दौरान भारतीय विदेश सेवा (ब्र) अधिकारियों का अपने बोर्ड के प्रतिनिधित्व संबद्ध हैं। नियमानुसार अपने बोर्ड के प्रतिनिधित्व के दौरान भारतीय विदेश सेवा (ब्र) अधिकारियों पर अधिकार नहीं होता। इसके अतिरिक्त भारतीय विदेश सेवा (ब्र) अधिकारियों पर लागू हो गई है, विदेश में भेजा के दौरान नियन्त्रित रियायते भी प्राप्त होते हैं।

(1) सरकार द्वारा नियोंगित मात्र के अनुभाग सूचीज्ञत निःशुल्क धाराय;

- (2) सदायता-श्राप चिकित्सा परिचयीय योजना के अन्तर्गत चिकित्सा परिचयीय सुविधाएं;
- (3) नियर्धित नियमों के अनुभाग अधिकारियों तथा उनके परिवारों के लिए गृह ब्रह्मकाल-योग्या;
- (4) सरकार द्वारा यथा परिभाषित आपातकाल जैसे भारत में (किसी निकट सम्बन्धी की मृत्यु अध्यवसाय ममीर बीमारी के समय भारत जाने और विदेश में कार्यस्थल पर यापस लौटने के लिए अन्तर्गत आने का एकल हवाई यात्रा व्यय जो पूरी सेवावधि के दौरान अधिक से अधिक दो बार मिलेगा;
- (5) भारत में दोनों यैशिक संस्थाएं अध्ययनरत 6 से 22 वर्ष तक की श्रायू के बच्चों को कुछ शर्तों पर सूटियों के दौरान यपने मानान्पिता के पास आने-जाने के लिए बाधिक हवाई-यात्रा व्यय;
- (6) उन अधिकारी को विदेश में नैनती स्थल पर अध्ययनरत 5 से 18 वर्ष तक की श्रायू तक के बच्चों की शिक्षा का व्यय जो अधिकारी दो बच्चों तक मिलेगा; कुछ शर्तों के अधीन सरकार द्वारा बहन किया जाता है;
- (7) विदेशों में प्रति तैनाती पर रु. 1750/- परिसङ्गत भत्ता जो मारी सेवावधि के दौरान अधिक से अधिक 8 अवधियों तक मिलेगा।

6. भारतीय विदेश सेवा (ब्र) में नियुक्त सभी अधिकारी भारतीय विदेश सेवा (शाखा "ब्र") (भर्ती, संवर्ग, वर्गिता, और पदोन्नति), नियमावली 1964 के अधीन और अन्य ऐसे नियमों और विनियमों के अधीन होंगे जो सरकार अधिकार में नाम दें और उक्त सेवा पर लाग करें।

7. भारतीय विदेश सेवा (ब्र) के सामान्य संवर्ग मद्ययक ग्रेड में नियुक्त अधिकारी भारतीय विदेश सेवा (शाखा "ब्र") (भर्ती, संवर्ग, वर्गिता और पदोन्नति), नियमावली, 1969 में समाप्ति उपाधियों के अनुभाग उन्नत ग्रेडों में पदोन्नति पाने के पाव होंगे।

टिप्पणी—भारतीय विदेश सेवा (भर्ती, संवर्ग, वर्गिता और पदोन्नति) नियमावली, 1964 के अनुभाग भारतीय विदेश सेवा (ब्र) के ग्रेड-1 के अधिकारियों के लिए भारतीय विदेश सेवा (ब्र) (भर्ती, संवर्ग, वर्गिता और पदोन्नति), नियमावली, 1969 में समाप्ति उपाधियों के अनुभाग उन्नत ग्रेडों में पदोन्नति के लिए सीमित कोटा उपलब्ध है।

(2) रेतवे बोर्ड मविवालय सेवा :—

रेतवे बोर्ड मविवालय सेवा के इस समग्र नियन्त्रित 4 ग्रेड हैं :—

1. चयन ग्रेड (उग सविव या समकाल अधिकारी) —
रु. 1500-60-1800-100-2000।

2. ग्रेड-1 (अवर सविव या समकाल अधिकारी) —रु. 1200-50-1600।

3. अनुभाग अधिकारी ग्रेड —रु. 650-30-740-35-810-द.रो.-35-880-40-1000-द.रो.-40-1200।

4. सहायक ग्रेड —रु. 425-15-500-द.रो.-15-560-20-700-द.रो.-25-800।

टिप्पणी—अनुभाग अधिकारी के स्वप्न में पदोन्नति सहायक कम से कम 710/- रुपति मात्र येन ग्राप्त करते हैं।

महूर्यक के स्वप्न में गोंधे भर्ती हुए व्यक्ति 2 वर्ष की अवधि के लिए परिवेशा पर रहेंगे जिसके दौरान उन्हें ऐसा प्रशिक्षण पाना होगा और ऐसी परिवेशा होनी होगी जो सरकार नियन्त्रित करें अवधि वे प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न किए जाएं सेवा करने के ताप परिवेशा धारी भी अपने विदेश सेवा (ब्र) को सेवा सुकृत किया जा सकता है।

परिवीक्षा लक्षण है गमाल शेष पर मरकर परिवीक्षाधीन घटित हो उसले भिन्नता पर पहला कर सकती है, या मरकार की गम में उसका कार्य या आवश्यक संबोधनक तरक्की हो सकता है या तो भवामुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि का, जिसना उचित समय, और ददा नक्ती है।

उक्त सेवा के सत्तायक ग्रेड में भर्ती हुए व्यक्षिप्त हम संबंध में समर्थनमय प्रभावी नियमों के कल्पनारूप इसले उड़नव ग्रेड में पदोन्नति के पास होये।

उन्हें बोहुत गविवासक मेवा रेल विभाग नक्की ही सीमित है और इसके पारमंतरी, केन्द्रीय सचिवालय मेवा वे परमंतरियों की तरह अन्य मंत्रालयों में स्थानान्वित नहीं किए जा सकते हैं।

रेसबै शोई सचिवालय सेवा के इन मियमों के प्रत्यार्थी भर्ती हुए।
प्रथिकारी —

(1) पेणन लाभ के पात्र होंगे, श्रीर

(२) गैर अंगदारी राज्य रेखाे भविष्य निधि के नियमों के अन्तर्गत उक्त निधि में अंगदान करेंगे जो कि रेखाे कर्मचारियों पर उनके सेवा में सम्बलित होने की तरीख से लाग हो जाने हैं।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेना नियुक्त कर्मचारी रेलवे बोर्ड द्वारा ममत-भमय पर जारी आदेशों के प्रनूतार पास और पी.टी.ओ. के हक्कार होंगे।

जहाँ तक उद्धृती और सेवा की प्रत्यं शरणों का संबंध है, रेसवे बोर्ड मन्त्रिवासमय सेवा में शामिल किए गए कर्मचारियों को रेसवे के प्रत्यं प्रधि-कारियों के समान ही समझा जाता है, परन्तु चिकित्सा सुविधाओं के मामले में उन पर वे ही नियम लागू होते हैं जो केंद्रीय सरकार के उन अन्य कर्मचारियों पर लागू होते हैं, जिनके मध्यात्मय नई दिली में हैं।

(3) बेल्ड्रीय सचिवालय सेवा :-

फेन्ट्रीय सचिवालय सेवा में इस समय नीचे निम्नों ५ ग्रेड हैं :—

(1) अमर (सेलेक्शन) ग्रेह (उप सचिव या समकक्ष प्रधिकारी)---
रु. 1500-60-1800-100-2000।

(2) ग्रेड-1 (अंगर मधिष्ठ वा समकक्ष अधिकारी) ---
क्र. 1200-50-1600।

(3) अनुमांग अधिकारी ग्रेड—H. 650-30-740-35-810-द.रो.-
35-880-40-1000-इ.रो.-40-1200।

(4) सहायक ग्रेड—ए. 425-15-500-३, रो.-15-560-20-700-
द. रो.-25-800।

टिप्पणी:—ओ सड़ापक अनुभाग अधिकारियों के पद पर पठोन्नति किये जाते हैं उन्हें कम से कम 710 रु. प्रति मास बेतन दिया जाएगा।

(2) गवायकों के स्वर में नीथे भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष तक परिवीआ पर रखा जाएगा। इस परिवीआ अवधि में उमकौ सरकार द्वारा निर्वासित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होगी। यदि परिवीआधीन सत्रावधक प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा नके था परीक्षाएं पास न कर सके तो परिवीआधीन व्यक्ति को मेवामक्त किया जा सकता है।

(3) परिवीक्षा अधिकार के समाप्त होने पर सरकार परिवीक्षाधीन व्यक्ति को उसकी नियुक्ति पर प्रकार सकती है या सरकार को गय में उसका कोई या आवारण मनोषजनक म रहा हो तो सरकार उसे या भा संभालूक कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अधिकार को जिसना उचित समझे और बदा नक्ती है ।

(४) वेगीन मध्यालय गोला में भर्ती किए गए मास्कर्डों की केन्द्रीय अविभागीय सेप्टा में जामिन किमी और भैचालर या नार्यालिय में नियुक्त किया जा सकता है। तबपि उन्हें किमी भों भैग किमी श्रम्य मंदालय या कार्यालय में स्थानान्तरण किया जा सकता है।

(5) मराठाक इस मध्येत्रमें ममश-गमध पर नागु तंत्रे राखे तिथभोके शनमारु दृच्छा प्रेरणे से पद्मलिपि के लाभ होते ।

(6) जिन घटनायों को उनके अपगे ही विकल्प के आधार पर केंद्रीय सचिवालय सेवा के मत्तृयक प्रेड में नियुक्त किया गया हौ, वे अपनी हड्डी नियुक्ति के बाद किसी भव्य सर्वर्ग (केंद्र) के किसी पद पर स्थानान्तरण या नियन्त्रित का दावा नहीं कर सकते।

(४) सशम्र सेवा मुक्त्यालय मिथिल सेवा :—

भण्टक गेता मुख्यालय सिविल मेड्स में उन भव्य नीति लिखे जाएं दें

प्रेष	वेशमान
(१) चतुर प्रेष (वयुभूति लिदेश्वर या चरित्र सिविलियन स्टाफ अफसर (ग्रुप क)	रु. 1500-60-1300
(२) सिविलियन स्टाफ अफसर (ग्रुप क)	रु. 1100-50-1600
(३) महायक सिविलियन स्टाफ अफसर (ग्रुप बी—ग्रामपत्रिक)	रु. 650-30-740-35-810-द. रो.- 35-880-40-1000-द. रो.- 40-1200
(४) महायक (ग्रुप बी-ग्रामपत्रिक)	रु. 425-15-500-द. -रो. -15- 560-20-700-द. रो. -25-800

(1) सहायक ग्रेड के अधिकारी को सहायक मिविलियन स्टाफ अफमर के ग्रेड में प्रवेन्त होने पर सहायक मिविलियन स्टाफ अफमर के ग्रेड के बेतनमान में कम से कम 710/- रु. का प्रारंभिक बेतन दिया जाएगा।

(२) महायाको के अप में सीधे भर्ते किए गए व्यक्तियों को दो चर्चा तक परिवेश में रखा जाएगा । इस परिवेश में उनको मरकार द्वारा निर्धारित प्रणित्पत्र नेता होना और विभागीय परीक्षाएँ पास करनी होंगी । यदि परिवेशाधीन महायाक प्रणित्पत्र अधिकार में पर्याप्त प्रगति न दिला सके या पर आगे पाया न कर सके तो उसे सेवा से मुक्त किया जा सकेगा ।

(3) परिवीक्षा प्रवृत्ति के ममाल होने पर भरकार परिवीक्षाशीर्ण अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्षा कर सकती है, भरकार की राय में उसका कार्य या आनंदन भवितव्यनक न रहा हो तो भरकार उसे या तो मेवामृत कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अधिकारी को त्रिना उचित ममले और बढ़ा सकती है।

(4) मराठा सेना मुख्यालय सिविल सेवा में भर्ती किए गए सदाचारकों को किमी सेना मुख्यालय या सगव रेना मुख्यालय सिविल सेवा प्रोजेट में शामिल हो रहे घटनारेना सगठनों में से किसी एक में नियुक्त किया जाएगा। तथापि उन्हें किमी भी समय हमी प्रकार के किमी अस्थ मुख्यालय या कार्यालय में स्थानान्तरित किया जा सकता है।

(5) महायक इस संबंध में समय समय पर लागू होने वाले नियमों के अन्तमार ऊपर प्रेसों में पदोन्नति पा सकते हैं।

(6) जो व्यक्ति, मणस्‌ मेता भुवितालय मिथिल सेवा के सश्रायकों के शेष में नियुक्त ही गए हैं, उनका ऐसी नियुक्ति के उपरास्त इस सेवा से बाहर फिरी पद पर निमूलिक प्रथमा घ्यानान्तरण के द्वारा कोई वाधा स्वीकार नहीं होगी।

**DEPARTMENT OF PERSONNEL AND
TRAINING**

New Delhi, the 6th September, 1986

RULES

No. 6/3/86-CS(I).—The Rules for a competitive examination viz. Assistants Grade Examination, 1986 to be held by the Union Public Service Commission in 1987 for the purpose of filling vacancies in the following Services|posts are published for general information :—

- (i) Grade IV ('Assistants') of General Cadre of the Indian Foreign Service (B) ;
- (ii) Assistants' Grade of the Railway Board Secretariat Service ;
- (iii) Assistants' Grade of the Central Secretariat Service ;
- (iv) Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service ; and
- (v) Posts of Assistant in other Departments|organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the IFS(B) Railway Board Secretariat Service|Central Secretariat Service|Armed Forces Headquarters Civil Service.

1. A candidate may compete in respect of any one or more of the Services|posts mentioned above.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe shall be permitted more than three attempts at the examination. The restriction is effective from the examination held in 1962.

NOTE 1.—For the purpose of this rule, a certificate shall be deemed to have made an attempt at the examination once for all the Services|posts covered by the examination if he competes for any one or more of the Services|posts.

NOTE 2.—A candidate shall be deemed to have made an attempt at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

NOTE 3.—Notwithstanding the disqualification|cancellation, the fact of appearance of the candidate at the examination will count as an attempt.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 25 years on the 1st January, 1986, i.e. he must have been born not earlier than the 2nd January, 1961 and not later than the 1st January, 1966.

(b) The upper age limit will be relaxable upto the age of 30 years in respect of LDCs|UDCs|Stenographers Grade D with not less than 3 years continuous and regular service on 1st January, 1986 in the various Departments|Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the Office of the Election Commission and the Central Vigilance Commission or in the Lok Sabha|Rajya Sabha Secretariat.

Candidates holding posts, which are not designated as LDC|UDC|Stenographer Grade D will not be eligible for age relaxation under this sub-rule, even though the posts held by them are identical pay scale.

(c). The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe ;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March, 1971 ;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 .

- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide Indian repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (x) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport Holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiii) up to a maximum of 8 years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiv) up to a maximum of 5 years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs|SSCOs who have rendered at least 5 years Military Service as on 1st January, 1986 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to the completed within six months from 1st January, 1986, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;
- (xv) up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs|SSCOs who have rendered at least five years Military Services as on 1st January, 1986 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1986), otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or on invalidment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xvi) up to a maximum of 5 years in case of ECOs|SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1-1-1986 and are retained in the Military service thereafter, and in whose case the Ministry of Defence issued a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months' notice on securing civil employment;
- (xvii) upto a maximum of 10 years in case of ECOs|SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1-1-1986 and are retained in the Military Service thereafter, and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months notice on securing civil employment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xviii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973;

- (xix) up to a maximum of 8 years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;
- (xx) up to a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985;
- (xxi) up to a maximum of eleven years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

NOTE.—Ex-servicemen who have already joined the Government job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to apply under Rule 6(c) (xiv) and (xv) of the Rules.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

NOTE.—The candidature of a person who is admitted to the examination under Rule 6(b) shall be cancelled if after submitting his application he resigns from Service or his services are terminated by his Department either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible, if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

An LDC|UDC|Stenographer Grade D who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority or who is transferred to another post but retains lien on the post from where he is transferred will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

7. A candidate must hold a degree of any of the Universities incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institution established by an Act of Parliament or declared to be deemed as a University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possesses an equivalent qualification.

NOTE I.—Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degree will also be eligible for admission to the examination.

NOTE II.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educational qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible to apply for admission to the Commission's examination.

NOTE III.—In exceptional cases, the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the above qualifications, as educationally qualified provided that he has passed an examination conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

8. All candidates in Government service whether in a permanent or in a temporary capacity or as workcharged employees, other than casual or daily rated employees, or those serving under Public enterprises, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office|Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their applications shall be rejected candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:—

- (i) obtaining support for his candidature by any means ; or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated document or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script (s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination, or

(xii) attempting to commit or as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred, either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules:

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the result of the examination:

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services|posts, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion, and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, due consideration will be given at the time of making appointment on the result of the examination, to the preference expressed by a candidate for various Services|Posts in the detailed application form which will be supplied to him by the Commission if he is declared finally qualified on the result of the examination.

16. Appointments will be made on probation for a period of two years. The period of probation may be extended if considered necessary.

17. Candidates will be required to pass a test in typewriting at a minimum speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi

within a period of two years from the date of appointment to the Assistants' Grade. In the event of their failure to pass the test within the prescribed period, they shall not be entitled to draw any further increments in the Assistants' Grade until they pass such test or are exempted from this requirement under a special or general order; and on passing or being exempted from the test, their pay shall be refixed as if their increments had not been withheld, but no arrears of pay shall be allowed for the period the increments had been withheld.

18. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service:

Provided that the Central Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

20. Success at the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service|Post.

21. Conditions of Service for Assistants in the Indian Foreign Service (B), the Railway Board Secretariat Service, the Central Secretariat Service and the Armed Forces Headquarters Civil Service are briefly stated in Appendix II.

P. C. KAPOOR, Under Secy. APPENDIX I

The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows:—

Sl. No.	Subject	Code No.	Max. Marks	Time Allowed
1.	Essay	01	100	2 hours.
2.	English in two Parts (A&B)		200	3 hours
	Part I	02	70	1 hours
	Part II	03	130	2 hours.
3.	Arithmetic	04	100	2 hours.
4.	General Knowledge including Geography of India	05	100	2 hours.

N.B.—In the case of the paper "English" if a candidate does not reach the Examination Hall within the permissible time limit and is not admitted to the examination in Part I of the paper, he will not be entitled to be admitted to Part II of the paper.

2. The question papers in English Part I, Arithmetic and General Knowledge including Geography of India will consist of objective type questions.

3. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

4. Candidates are allowed the option to answer Paper I either in Hindi (Devanagari) or in English. Question papers in Essay, Arithmetic and General Knowledge including Geography of India will be set both in Hindi and in English.

NOTE 1.—The option will be for a complete paper and not for different questions in the same paper.

NOTE 2.—Candidates desirous of exercising the option to answer Paper I in Hindi (Devanagari) should indicate their intention to do so in Col. 6 of the application form. Otherwise it would be presumed that they would answer the paper in English.

The option once exercised shall be treated as final and no request for alteration in the said column shall be entertained.

If a medium other than the one indicated by the candidate in the application form is used in the examination, the paper of such candidates will not be valued.

Candidates who opt to answer the Essay paper in Hindi (Devanagari) may, if they so desire, give English version within brackets of the description of the technical terms. If any, in addition to the Hindi version.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion of fixing qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction upto 5 per cent of the maximum marks for each subject will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in Essay and English Part II of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary, questions involving numerals the Metric System of weights and measures only will be set.

11. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

12. Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

SCHEDULE

SYLLABUS OF THE EXAMINATION

(1) **Essay** (Code No. 02).—An essay to be written on one of the several specified subjects.

(2) **English**

English Part I (Code No. 02).—Paper will be designed to test the candidates ability to understand English and write in that language correctly and effectively.

English Part II (Code No. 03).—Paper will consist of questions designed to test candidates ability to write good English and for precis writing.

(3) **Arithmetic** (Code No. 04).—There will be greater emphasis on understanding of numbers, graphs, elementary statistics and arithmetic.

(4) **General Knowledge including Geography of India** (Code No. 05).—Knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subjects. The paper will include questions on geography of India. The paper may also include questions on History of India of a nature, which candidates should be able to answer with special study.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services/Posts to which recruitment is being made through this examination.

(i) **Indian Foreign Service (B)** :—All posts of Assistants in the Ministry of External Affairs and in Indian Diplomatic, Consular Missions and Posts abroad, and few posts of Assistants in the Ministry of Commerce are included in Grade IV of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B). The various grades in the General Cadre of Indian Foreign Service (B), excluding Grades lower than Grade IV, are as follows :—

Grade I	Designation	Scale of pay
Grade I	Under Secretaries at Hqrs. First and second Secretaries in Missions and posts abroad.	Rs. 1200-50-1600.
Integrated Grades II & III	Attache and Section Officer at Hqrs. Vice-Consuls and Registrars in Missions and Posts abroad.	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.
Grade IV	Assistants at Hqrs. and in Missions and Posts abroad.	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800.

NOTE : Assistants promoted to the integrated Grade II & III are allowed a minimum pay of Rs. 710 p.m.

2. Persons recruited direct to Grade IV of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B) will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such

tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

3. On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons appointed to the Indian Foreign Service (B) will have no claim to be appointed to posts including in the Cadre of the Central Secretariat Service or any other Service. Further, all such persons will be liable to serve in any posts either in India or abroad to which they may be posted.

5. During service abroad, IFS(B) officials are granted foreign allowance in addition to their basic pay, at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS(B) officers :—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government;
- (ii) Medical Attendance Facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme;
- (iii) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules;
- (iv) Return Single Air Passage to India and back to the place of duty abroad up to a maximum of two years throughout the officer's service for emergencies such as the death or serious illness of a near relation in India as may be defined by the Government;
- (v) Annual return air passage for children between the ages of 6 and 22 studying in regional educational institution of India to visit parents during vacation subject to certain conditions;
- (vi) Expenditure on education of children upto a maximum of two children between the ages of 5 and 18 studying at the place of posting abroad of the officer is met by the Government subject to certain conditions.
- (vii) Outfit allowance Rs. 1,750 per posting abroad subject to maximum of 8 occasions during the entire career.

6. All Officers appointed to the IFS(B), will be subject to the Indian Foreign Service (Branch B) (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964 and also to other rules and regulations which the Government may hereafter frame and make applicable to the service.

7. Persons appointed to Grade IV of the General Cadre (Assistants) of the IFS(B) will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the provisions contained in the Indian Foreign Service (Branch B) (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964.

NOTE : In accordance with the Indian Foreign Service (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, a limited quota is available to officers in Grade I of the Indian Foreign Service (B) for promotion to the Senior scale of the Indian Foreign Service (A) in the scale of pay of Rs. 1200—50—1300—60—1600—EB—60—1900—100—2000.

(ii) **The Railway Board Secretariat Service :—** The Railway Board Secretariat Service has at present 4 grades as follows :—

1. Selection Grade (Deputy Secretary or equivalent) Rs. 1500—60—1800—100—2000.
2. Grade I (Under Secretary or equivalent) Rs. 1200—50—1600.
3. Section Officers Grade Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.
4. Assistants Grade Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

NOTE : Assistants promoted as Section Officers are allowed a minimum of Rs. 710 p.m.

Persons recruited direct as Assistants will be on probation for a period of 2 years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

On conclusion of the period of probation the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

Persons recruited to Assistant's Grade of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

The Railway Board Secretariat Service is confined to the Department of Railways and Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Service.

Officers of the Railway Board Secretariat Service recruited under these rules :

- (i) Will be eligible for pensionary benefits; and
- (ii) Shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway servants appointed on the date they joined the service.

The candidates appointed to the Railway Board Secretariat Service will be entitled to the privileges of passes and privilege ticket orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

As regards leave and other conditions of service, staff including in the Railway Board Secretariat Service are treated in the same way as other railway staff but in the matter of medical facilities they will be governed by rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

(iii) Central Secretariat Service :—The Central Secretariat Service has at present four grades as follows :—

- (1) Selection Grade (Deputy Secretary or equivalent) Rs. 1500—60—1800—100—2000.
- (2) Grade I (Under Secretary or equivalent) Rs. 1200—50—1600.
- (3) Section Officers Grade Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200.
- (4) Assistants Grade Rs. 425—15—500—EB—560—20—700—EB—25—800.

NOTE : Assistants promoted as Section Officers are allowed at a minimum pay of Rs. 710 p.m.

(2) Persons recruited direct as Assistants will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period of Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the Central Secretariat Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Service. They may, however, at any time be transferred to any other such Ministry or Office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistants Grade of the Central Secretariat Service in pursuance of their opinion for that Service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to any post included in any other cadre.

(iv) The Armed Forces Headquarters Civil Service :—The Armed Forces Headquarters Civil Service has at present four grades as follows :—

Grade	Scale of pay
(1) Selection Grade (Joint Director or Senior Civilian Staff Officer) Group A.	Rs. 1500-60-1800.
(2) Civilian Staff Officer (Group A)	Rs. 1100-50-1600.
(3) Assistant Civilian Staff Officer (Group-B-Gazetted)	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.
(4) Assistant Civilian Staff Officer (Group-B-Gazetted)	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800.

NOTE : An officer of the Grade of Assistant promoted to the grade of Assistant Civilian Staff Officer shall be allowed a minimum initial pay of Rs. 710 in the scale of the Grade of Assistant Civilian Staff Officer.

(2) Persons recruited direct as Assistant will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory he may be either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the AFHQ Civil Service will be posted to one of the Service Headquarters or Inter Service Organisations, participating in the AFHQ Civil Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Headquarters or office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistants Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service will not, after such appointment have any claim for transfer or appointment to post not included in that Service.